भारत सरकार

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2500

उत्तर देने की तारीख : 10.08.2026

अल्पसंख्यक समुदाय

2500. श्री नारायण दास गुप्ता:

श्री सतनाम सिंह संधू:

क्या **अल्पसंख्यक कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पाँच वर्षों के दौरान अल्पसंख्यक समुदायों के विद्यार्थियों को प्रदान की गई छात्रवृत्तियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण से संबंधित विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन और उनसे प्राप्त परिणामों का आकलन किया है;

(ग) अल्पसंख्यक समुदायों के लिए कार्यान्वित कौशल विकास और आजीविका संवर्धन कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) अल्पसंख्यक समुदायों के लिए शैक्षिक और आर्थिक अवसर बेहतर बनाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री

(श्री किरेन रीजीजू)

(क) से (घ): सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समुदायों के लिए शिक्षा एवं आर्थिक अवसरों में सुधार हेतु शैक्षिक सहायता, कौशल विकास तथा आजीविका संबंधी व्यवस्थाओं के माध्यम से विभिन्न उपाय किए गए हैं। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा छह अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों अर्थात् बौद्ध, ईसाई, जैन, मुस्लिम, पारसी तथा सिख समुदायों के लिए देशभर में तीन छात्रवृत्ति योजनाओं, अर्थात् मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति योजना, मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना तथा मेरिट-सह-साधन छात्रवृत्ति योजना को लागू किया गया है। इस योजना को वर्ष 2021-22 के पश्चात आगे जारी रखने की स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई है। वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक की अवधि के दौरान लाभार्थियों को स्वीकृत छात्रवृत्तियों का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

15वें वित्त आयोग चक्र के दौरान मंत्रालय द्वारा संचालित एक अन्य योजना PMJVK है। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (PMJVK) का मूल्यांकन किया गया, जिसमें यह पाया गया कि यह योजना शिक्षा, स्वास्थ्य तथा कौशल विकास जैसे

क्षेत्रों में आवश्यक अवसंरचना के सृजन के माध्यम से अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में विकास संबंधी कमियों को कम करने में प्रभावी सिद्ध हुई है।

मंत्रालय द्वारा छह अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों की आजीविका को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सीखो और कमाओ, USTTAD तथा नई मंजिल जैसी विभिन्न कौशल विकास योजनाओं को भी लागू किया गया है। इन योजनाओं को बाद में प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन (PM VIKAS) योजना के अंतर्गत समेकित किया गया, जिसका उद्देश्य कौशल विकास, उद्यमिता, अल्पसंख्यक महिलाओं के नेतृत्व विकास तथा स्कूल ड्रापआउट विद्यार्थियों को शैक्षिक सहायता प्रदान करना है।

सीखो और कमाओ योजना का वर्ष 2020 में प्रबंधन विकास संस्थान (MDI, गुरुग्राम) द्वारा मूल्यांकन किया गया, तथा अध्ययन में पाया गया कि प्रशिक्षित लाभार्थियों में से 97 प्रतिशत को कौशल प्रमाण-पत्र प्राप्त हुए तथा 79 प्रतिशत प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात रोजगार प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, 89 प्रतिशत प्रशिक्षुओं ने अपने परिवार के जीवन स्तर में सुधार होने की सूचना दी। इसी प्रकार, नई मंजिल योजना का वर्ष 2021 में मैसर्स मॉट मैकडोनाल्ड द्वारा मूल्यांकन किया गया, जिसमें 76 प्रतिशत नियोक्ताओं ने यह माना कि प्रदान किया गया प्रशिक्षण उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप था। USTTAD योजना का वर्ष 2021 में प्रबंधन विकास संस्थान (MDI, गुरुग्राम) द्वारा मूल्यांकन किया गया, इस अध्ययन में यह पाया गया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम से पूर्व 90 प्रतिशत प्रशिक्षुओं के पास आय का कोई स्रोत नहीं था, जबकि प्रशिक्षण के पश्चात 69 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने आय अर्जित करना प्रारंभ कर दिया तथा 85 प्रतिशत ने अपने परिवार के जीवन स्तर में सुधार की सूचना दी।

प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन (PM VIKAS) योजना के अंतर्गत अब तक कुल 83,864 लाभार्थियों का नामांकन किया जा चुका है तथा 35,361 लाभार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। पीएम विकास योजना के अंतर्गत मंत्रालय द्वारा लोक संवर्धन पर्व का भी आयोजन किया जाता है, जिससे अल्पसंख्यक कारीगरों, शिल्पकारों, बुनकरों तथा पाक-कला विशेषज्ञों को उनके पारंपरिक कला, शिल्प एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रदर्शन एवं विपणन हेतु मंच उपलब्ध कराया जा सके। अब तक मंत्रालय द्वारा छह लोक संवर्धन पर्वों का आयोजन किया गया, जिसमें हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (EPCH) के सहयोग से विपणन, निर्यात, ऑनलाइन व्यवसाय, डिजाइन, कराधान तथा बिक्री संबंधी कार्यशालाओं का आयोजन भी किया गया है, जिससे अल्पसंख्यक कारीगरों को बाजार तक पहुँच एवं आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने में सहायता मिली है।

*****

अनुबंध-I

समुदाय-वार मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति योजना (वर्ष 2021-22 से 2025-26)								
शैक्षणिक वर्ष	मुस्लिम	ईसाई	सिख	बौद्ध	जैन	पारसी	कुल छात्रवृत्ति	जारी की गई राशि (करोड़ रु. में)
2021-22	4231712	727011	507578	187002	56691	795	5710789	1329.2
2022-23	222321	64752	17200	9014	5268	21	318576	100.32
2023-24	0	0	0	0	0	0	0	0
2024-25	0	0	0	0	0	0	0	0
2025-26	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**4454033**	**791763**	**524778**	**196016**	**61959**	**816**	**6029365**	**1429.52**

समुदाय-वार मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना (वर्ष 2021-22 से 2025-26)								
शैक्षणिक वर्ष	मुस्लिम	ईसाई	सिख	बौद्ध	जैन	पारसी	कुल छात्रवृत्ति	जारी की गई राशि (करोड़ रु. में)
2021-22	543901	94074	61839	4908	15213	158	720093	469.57
2022-23	92420	18549	8975	738	3907	18	124607	79.28
2023-24	0	0	0	0	0	0	0	0
2024-25	0	0	0	0	0	0	0	0
2025-26	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**636321**	**112623**	**70814**	**5646**	**19120**	**176**	**844700**	**548.85**

समुदाय-वार मेरिट-सह-साधन छात्रवृत्ति योजना (वर्ष 2021-22 से 2025-26)								
शैक्षणिक वर्ष	मुस्लिम	ईसाई	सिख	बौद्ध	जैन	पारसी	कुल छात्रवृत्ति	जारी की गई राशि (करोड़ रु. में)
2021-22	103072	22955	2230	267	3269	17	131810	352.91
2022-23	43110	12689	951	76	1603	1	58430	157.07
2023-24	0	0	0	0	0	0	0	0
2024-25	0	0	0	0	0	0	0	0
2025-26	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**146182**	**35644**	**3181**	**343**	**4872**	**18**	**190240**	**509.98**

*****